गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मो० मकबूल डर): (क) और (ख) अपेक्षित सूचना इस प्रकार है:—

वर्ष	व्यक्ति जिन पर न्यायालय में मुकदमा चलाया गया	दोषसिद्ध	दोषमुक्त
1994	54134	12064	2848
1995	61224	11722	1697
1996	42127	11136	429
1997 (31.3.1997 तक)	4768	2125	6

दिल्ली में अपराधों की रोकथाम

3400. **श्री राम जेठमलानी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली राज्य में अपराधों की रोकथाम करने और पुलिस बल के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए गत वर्षों में व्यापक परिवर्तन किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और ये कदम कब-कब उठाए गए थे; और

(ग) इन कदमों के परिणामस्वरूप क्या उपलब्धि हासिल होने की संभावना है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मो० मकबूल डार): (क) और (ख) जी हां, श्रीमान्। पुलिस बल के कार्यकरण में सुधार तथा पुलिस विभाग को पुर्नगठित करके दिल्ली में अपराध रोकने के लिए उठाये गए कदमों में शामिल है:—

(i) नवम्बर, 1994 में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा का पांच प्रमुख विंगों, नामतः पारंपरिक अपराध विंग, आर्थिक अपराध विंग, सामाजिक रक्षा विंग, वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता विंग तथा अपराध मुख्यालय विंग में पुर्नगठन।

(ii) ऐसी महिलाओं, जो विभिन्न अपराधों की शिकार होती हैं, की शिकायतों की जांच करने के लिए 1983 में महिला अपराध प्रकोष्ठ की स्थापना।

(iii) विशेष रूप से सार्वजनिक भूमि के अतिक्रमण और/या निपटान संपत्ति से उसके दखलदारों को जबर्दस्ती बेदखल करने तथा इस संबंध में सरकारी अधिकारियों की सांठ-गांठ और भ्रष्ट आचरण तथा इसे सौंपे जाने वाले इस प्रकार के अन्य आपराधिक मामलों से संबंधित अपराधों की जांच-पड़ताल करने के लिए सितम्बर, 1996 में एक विशेष कार्य बल की स्थापना।

(iv) महत्वपूर्ण मामलों की जांच-पड़ताल करने के लिए 1995 के दौरान सभी पुलिस जिलों में विशेष जांच-पड़ताल यूनिटों के रूप में जिला अपराध प्रकोष्ठों का सृजन।

निम्नलिखित विशेष अभियान चलाये गए हैं:—

(i) नौकर सत्यापन अभियान।

(ii) पड़ोस निगरानी योजना।

(iii) वृद्ध नागरिक योजना।

(iv) सम्पति से गैर-कानूनी तथा जबर्दस्ती बेदखल करने के खिलाफ सख्त कार्रवाई।

(ग) इन कदमों के फलस्वरूप दिल्ली में अपराध का पता लगाने की प्रतिशतता में सुधार हुआ है। नौकरों द्वारा किए जाने वाले जघन्य अपराधों में काफी कमी आई है। फिरौती के लिए अपहरण की वारदातों में भी कमी आई है तथा पूर्व में अपराधी रह चुकी जन-जातियों द्वारा किए जाने वाले हमलों में लगातार कमी हो रही है। दहेज-उत्पीड़न से महिलाओं की रक्षा करने की इसकी भूमिका तथा राजीनामा कराने में इसके प्रयासों में भी महिला अपराध प्रकोष्ठ काफी प्रभावकारी रहे हैं।

Complaints against Junior Field Officers of SIB

3401. SHRI MAHESHWAR SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he has received complaints from some M.Ps against some junior field officers of the (Subsidiary Intelligence Bureau) stationed in Sikkim; and

(b) whether any verification/enquiry on the allegations as per the complaints have been initiated; if not, the reasons therefor?